रविवार, 5 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

युवराज सिंह- विराट कोहली और रवि शास्त्री पर साधा निशाना

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर का ट्रेलर रिलीज

Page-05

होर्मुज जलडमरूमध्य में नया समुद्री मार्ग खुला वैश्विक व्यापार को मिल सकती है बड़ी राहत

- **नया समुद्री मार्ग ओमान की सीमा के भीतर होकर गुजरता है, जिससे जहाजों को अधिक सुरक्षा मिल रही है।**
- **इस रूट के सक्रिय होने से वैश्विक तेल और गैस सप्लाई पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है।**

वैश्विक समुद्री व्यापार के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। मध्य पूर्व के रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में एक नया समुद्री मार्ग उभरता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही शुरू हो गई है। यह मार्ग पारंपरिक शिपिंग रूट और ईरान द्वारा हाल ही में विकसित किए गए रास्ते से अलग माना जा रहा है, जिससे इसकी रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।AIS (ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) और रिमोट सेंसिंग डेटा के विश्लेषण से यह पुष्टि हुई है कि कम से कम चार बड़े जहाज इस नए मार्ग से गुजर चुके हैं। इन जहाजों में कच्चा तेल, एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) और सामान्य कार्गो शामिल हैं। इस नए रूट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अंतरराष्ट्रीय जल सीमा से बचते हुए ओमान की समुद्री सीमा के भीतर रहता है, जिससे जहाजों को अपेक्षाकृत सुरक्षित रास्ता मिल रहा है।रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले क्रूड ऑयल टैंकर "हाबुत" और "धलकुट", तथा पनामा के झंडे वाला एलएनजी कैरियर "सोहार", संयुक्त अरब अमीरात के रास अल खैमाह के पास ओमान की समुद्री सीमा में प्रवेश करते देखे गए। इन जहाजों ने मुसंदम प्रायद्वीप के पास अपने ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे, जिससे उनकी गतिविधियां और भी संवेदनशील हो गईं। बाद में 3 अप्रैल को इन्हें मस्कट से लगभग 350 किलोमीटर दूर समुद्र में ट्रैक किया गया।समुद्री विश्लेषण फर्म टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, "हाबुत" और "धलकुट" टैंकर सऊदी अरब और यूएई के करीब 20 लाख बैरल कच्चे तेल से लदे हुए थे। वहीं "सोहार" एलएनजी कैरियर 21 मार्च को यूएई के अल हमरिया पोर्ट से रवाना हुआ था, हालांकि उसके पूरी तरह भरे होने की पुष्टि नहीं हो सकी है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस नए समुद्री मार्ग के सक्रिय होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। खासतौर पर ऐसे समय में, जब इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बना रहता है, यह नया रास्ता व्यापार को सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है।

केरल और बंगाल में कांग्रेस नेताओं पर हमले से सियासत गरम

देश के दो अलग-अलग राज्यों—केरल और पश्चिम बंगाल—से कांग्रेस नेताओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है।केरल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के काफिले को मल्लपुरम जिले के वांडुर इलाके में शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे रोक लिया गया। इस दौरान उनके गनमैन और ड्राइवर पर हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक, थरूर पूरी तरह सुरक्षित हैं।बताया जा रहा है कि घटना के समय थरूर चुनावी सभा के लिए तिरूवल्ली जा रहे थे। पुलिस ने मामले में 5 आरोपियों की पहचान की है, जिनमें से एक को हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल हमले के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई है और जांच जारी है।वहीं, पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी के साथ धक्का-मुक्की की घटना सामने आई है। शनिवार सुबह जनसंपर्क अभियान के दौरान एक गली के मोड़ पर मौजूद तृणमूल कांग्रेस (TMC) कार्यकर्ताओं के साथ उनकी झड़प हो गई।वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही अधीर रंजन अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे, धक्का-मुक्की शुरू हो गई और इस दौरान उन्हें भी धक्का लगा।कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह घटना टीएमसी पार्षद भीष्मदेव कर्मकार की मौजूदगी में हुई। हालांकि, इस मामले पर टीएमसी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पंजाब में महिलाओं के लिए नई योजना लागू

हर महीने 1,000 से 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता

पंजाब सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री मावां धियां सत्कार योजना' को लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की सहायता दी जाएगी, जबकि अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे।सरकार की ओर से जारी 2 अप्रैल की अधिसूचना के मुताबिक, किसी परिवार में पात्र महिलाओं की संख्या पर कोई सीमा तय नहीं की गई है। यानी एक ही परिवार की सभी योग्य महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकेंगी।खास बात यह है कि जो महिलाएं पहले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही हैं, वे भी इस योजना का पूरा लाभ उठा सकेंगी। उन्हें पहले से मिल रही पेंशन के अलावा इस योजना की राशि भी दी जाएगी।हालांकि, सरकारी नौकरी करने वाले परिवारों और आयकर देने वालों को इस योजना से बाहर रखा गया है। योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए, साथ ही उसके पास वैध आधार कार्ड और वोटर आईडी होना अनिवार्य है। लाभार्थी का पंजाब का पंजीकृत मतदाता होना भी जरूरी होगा। इस योजना के तहत मिलने वाली राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए सीधे लाभार्थियों के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में भेजी जाएगी। भुगतान का शेड्यूल और समय-समय पर बदलाव हाई-लेवल इम्प्लीमेंटेशन कमेटी तय करेगी, जिसे मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलेगी।सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन पूरी तरह मुफ्त होगा और किसी भी लाभार्थी से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस योजना को राज्य का सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग लागू करेगा।इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करना, घरेलू निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ाना और पूरे राज्य में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है।

केरल में वोटिंग को 'फेस्टिवल' बनाने की तैयारी

युवाओं के लिए मुफ्त Uber राइड, हलवा

केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव को खास बनाने के लिए चुनाव आयोग ने युवाओं को आकर्षित करने की नई और अनोखी पहल शुरू की है। मकसद साफ है—पहली बार वोट देने वाले और युवा मतदाताओं की भागीदारी को बढ़ाना और मतदान को एक उत्सव जैसा अनुभव बनाना।इस पहल के तहत पहली बार वोट करने वाले युवाओं को विशेष तौर पर हलवा पैकेट दिए जाएंगे। हर जिले में 200 ब्रांडेड हलवा पैकेट भेजे गए हैं, जिन्हें बूथ स्तर अधिकारियों और स्वयंसेवकों के जरिए चयनित मतदान केंद्रों पर वितरित किया जाएगा।इसके साथ ही एर्नाकुलम और तिरुवनंतपुरम में मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर तक मुफ्त Uber राइड की सुविधा दी जाएगी, ताकि युवाओं को आने-जाने में कोई परेशानी न हो।वोटिंग के बाद भी उत्साह बनाए रखने के लिए SupplyCo द्वारा 10 और 11 अप्रैल को चावल का आटा सिर्फ 1 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, कैफे कल्चर को ध्यान में रखते हुए Starbucks और Cafe Coffee Day जैसे आउटलेट्स भी युवा वोटरों को आकर्षित करने के लिए विशेष ऑफर्स दे सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी चुनाव आयोग ने जोरदार अभियान शुरू किया है। AI वीडियो, रील्स, प्रतियोगिताएं और 'Gen-Z एंथम' जैसी गतिविधियों के जरिए युवाओं को जोड़ने की कोशिश हो रही है। Blinkit, Swiggy, Zomato और Domino's जैसी डिलीवरी कंपनियां भी जागरूकता संदेश फैलाने में सहयोग कर रही हैं।इसके अलावा, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के 2,000 से ज्यादा सदस्य स्कूलों, कॉलेजों और आदिवासी इलाकों में जाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

"जंग के साये में राहत!"

होर्मुज पार कर भारत की ओर बढ़ा LPG टैंकर 'ग्रीन सांववी'

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर है। एलपीजी टैंकर 'ग्रीन सांववी' सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर मुंबई की ओर बढ़ रहा है। अन्य टैंकर भी सप्लाई बनाए रखे हुए हैं, जिससे भारत की ऊर्जा आपूर्ति संकट के बावजूद स्थिर बनी हुई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य-पूर्व में जारी भीषण तनाव और युद्ध जैसे हालात के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ रही है, भारत का सातवां विशाल एलपीजी टैंकर 'ग्रीन सांववी' सुरक्षित रूप से रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुका है। यह टैंकर 46,000 मीट्रिक टन से अधिक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (LPG) लेकर भारत की ओर बढ़ रहा है और इसके 6 अप्रैल तक मुंबई पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। शिपिंग महानिदेशालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि जहाज पूरी तरह सुरक्षित है और अपनी तय समय-सीमा के अनुसार आगे बढ़ रहा है।मौजूदा हालात को देखते हुए यह खबर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सबसे अहम कड़ी माना जाता है। यहां किसी भी प्रकार का व्यवधान सीधे तौर पर कई देशों की ऊर्जा जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद भारत की आपूर्ति श्रृंखला का लगातार सुचारू रहना राहत की बात है। पिछले सप्ताह भी भारत के लिए एलपीजी लेकर आए टैंकरों ने सफलतापूर्वक डिलीवरी की थी। 'जग वसंत' ने कांडला बंदरगाह पर और 'पाइन गैस' ने न्यू मैंगलोर बंदरगाह पर अपना माल उतारा। इन सफल डिलीवरी से यह संकेत मिलता है कि क्षेत्र में तनाव के बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में सफलता हासिल की है। हालांकि चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। 'ग्रीन आशा' और 'जग विक्रम' नाम के दो अन्य एलपीजी कैरियर फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए भारतीय नौसेना की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नौसेना और संबंधित अधिकारी हर कदम सावधानी से उठा रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार का जोखिम टाला जा सके। कोशिश यही है कि इस क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय जहाज सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंचें। इस बीच कुछ अन्य टैंकर पहले ही भारत पहुंच चुके हैं या अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। 'BW TYR' मुंबई पहुंचकर अपना माल उतार रहा है, जबकि 'BW ELM' का मार्ग बदलकर तमिलनाडु के एन्नोर बंदरगाह की ओर कर दिया गया है, जहां उसके 4 अप्रैल तक पहुंचने की संभावना है। यह रणनीतिक बदलाव इस बात का संकेत है कि भारत स्थिति के अनुसार अपने लॉजिस्टिक्स में तेजी से बदलाव कर रहा है।खाड़ी क्षेत्र में इस समय भारत के कई जहाज सक्रिय हैं, जिन पर लगभग 20,500 भारतीय नाविक तैनात हैं। इनमें से 500 से अधिक जहाज भारतीय झंडे के हैं। मौजूदा जोखिमपूर्ण माहौल को देखते हुए अब तक 1,100 से ज्यादा चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है, जो सरकार और एजेंसियों की सतर्कता को दर्शाता है।कुल मिलाकर, वैश्विक तनाव और अनिश्चितता के बीच भी भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखा है। 'ग्रीन सांववी' का सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करना इसी दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो आने वाले दिनों में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ईरान की शक्ति का नया प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका–इज़राइल के बीच संघर्ष लगातार खतरनाक रूप ले रहा है। इस बीच ईरान की सबसे ताकतवर सैन्य इकाई आईआरजीसी के एयरोस्पेस चीफ मेजर जनरल माजिद मौसमी फिर से सक्रिय हो गए हैं। पिछले दिनों उनके मारे जाने या लापता होने की खबरें फैल चुकी थीं, लेकिन हाल ही में ईरानी स्टेट मीडिया द्वारा जारी वीडियो में मौसमी को अंडरग्राउंड मिसाइल बेस का दौरा करते, सैनिकों से मिलते और ऑपरेशन की ब्रीफिंग लेते हुए देखा गया। ईरान लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अमेरिका, इज़राइल और खाड़ी क्षेत्र के देशों को निशाना बना रहा है। बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों के विशाल भंडार से यह संकेत मिलता है कि ईरान केवल बचाव नहीं कर रहा बल्कि आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में डटा हुआ है। पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स में मौसमी की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ सूत्रों का दावा है कि जंग के शुरुआती दौर में उनके न होने से एयररोस्पेस यूनिट कमजोर हुई और हुए नुकसान के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। मिसाइल हमलों और उनके नतीजों को लेकर गलत आंकड़े पेश करने के आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, ईरान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी मिसाइल और ड्रोन ताकत को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार युद्ध समाप्ति की बातें कर रहे हैं, लेकिन जमीन पर स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। ईरान अब खुले तौर पर अमेरिका को चुनौती दे रहा है और दावा कर रहा है कि वाशिंगटन खुद इस जंग से बाहर निकलने का रास्ता नहीं जानता। रूस और अन्य वैश्विक खिलाड़ी भी इस संघर्ष पर सवाल उठा चुके हैं।

ईरान का दावा—अमेरिकी A-10 विमान मार गिराया

अमेरिका का F-15E ईरान में क्रैश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच ईरान की सेना ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के A-10 लड़ाकू विमान को मार गिराया है. अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास हुई, जो दुनिया का एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है. ईरानी मीडिया और तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह विमान इस रणनीतिक जलमार्ग के दक्षिणी हिस्से में निशाना बनाया गया. हालांकि, इस दावे की अभी तक अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. न ही पेंटागन और न ही व्हाइट हाउस ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया दी है. इसी बीच एक और घटना ने हालात को और गंभीर बना दिया है. खबरों के अनुसार, अमेरिकी वायुसेना का एक F-15E स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान ईरान के अंदर क्रैश हो गया. CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, इस विमान के एक क्रू मेंबर को अमेरिकी सेना ने सुरक्षित निकाल लिया है और उसका इलाज चल रहा है. हालांकि दूसरे सदस्य की तलाश अभी जारी है. बताया जा रहा है कि F-15E दो लोगों द्वारा संचालित किया जाता है. ईरानी मीडिया की तरफ से जारी तस्वीरों और

वीडियो के आधार पर CNN ने पुष्टि की है कि मलबा F-15 विमान का ही है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह घटना मौजूदा जंग के दौरान पहली बार है, जब कोई अमेरिकी विमान ईरान के भीतर गिरा है. कुछ तस्वीरों में मिले मलबे से यह संकेत मिला है कि यह विमान ब्रिटेन के RAF लैकेनहीथ बेस पर तैनात 494t h फाइटर स्क्वाड्रन का हो सकता है. हालांकि इन घटनाओं को लेकर अभी कई बातें साफ नहीं हैं. A-10 विमान को मार गिराने का ईरान का दावा भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुआ है. वहीं F-15E के क्रैश की परिस्थितियों को लेकर भी अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

UAE ने मांगे 2 अरब डॉलर,

पाकिस्तान पर बढ़ा आर्थिक संकट

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पहले से ही गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की मुश्किलें अब और गहरा गई हैं। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने पाकिस्तान को दिए गए 2 अरब डॉलर (करीब 17,000 करोड़ रुपये) के कर्ज की तत्काल वापसी की मांग कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने इस महीने के अंत तक यह रकम लौटाने का फैसला किया है।जानकारी के अनुसार, यह कर्ज पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन (Balance of Payments) को संभालने के लिए दिया गया था और अब तक इसे आगे बढ़ाया जा रहा था। लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-इजराइल व ईरान के बीच टकराव की स्थिति को देखते हुए यूएई ने यह रकम तुरंत वापस मांग ली है। यह राशि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में जमा थी।इस फैसले से पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। 2 अरब डॉलर की निकासी से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट आने की आशंका है, जिससे आर्थिक अस्थिरता और बढ़ सकती है। हालांकि पाकिस्तान ने समय पर कर्ज चुकाने की प्रतिबद्धता जताई है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि वह इतनी बड़ी रकम की भरपाई कैसे करेगा। पहले से कर्ज के बोझ तले दबे देश के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है।

बदलती दुनिया में देशों को नहीं रहा

अमेरिका पर पूरा भरोसा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

दुनिया की बदलती राजनीति और बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच अब एक नई होड़ शुरू हो गई है—अपना सोना वापस घर लाने की होड़। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद यूरोपीय देशों का भरोसा धीरे-धीरे कम होता नजर आ रहा है और इसका असर अब उनके गोल्ड रिजर्व पर भी साफ दिखने लगा है। अमेरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है, जो करीब 8,133 टन है। लेकिन इसमें सिर्फ अमेरिका का ही नहीं, बल्कि 30 से ज्यादा देशों का सोना भी सुरक्षित रखा गया है। दशकों से अमेरिका को सबसे सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा, लेकिन अब इस व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। जर्मनी, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गोल्ड रिजर्व रखने वाला देश है, उसका करीब 1,236 टन सोना अमेरिका में रखा हुआ है। इसी तरह इटली, नीदरलैंड, फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों का बड़ा हिस्सा भी अमेरिकी तिजोरियों में जमा है। अब ये देश धीरे-धीरे अपने सोने को वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल, यह परंपरा 1950 के दशक से चली आ रही है। उस समय यूरोप और

अमेरिका के बीच भारी व्यापार होता था और न्यूयॉर्क वैश्विक आर्थिक केंद्र बन चुका था। ऐसे में सोने को अमेरिका में रखना सुरक्षित और सुविधाजनक माना जाता था। भारत भी इस व्यवस्था का हिस्सा रहा है। भारत के पास कुल 880 टन से ज्यादा सोना है, जिसमें से करीब 290 टन विदेशों में रखा गया है। हालांकि हाल के वर्षों में भारत ने भी अपने कुछ सोने को वापस मंगाया है। विदेश में सोना रखने के फायदे भी रहे हैं—बेहतर सुरक्षा, आसान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संकट के समय जोखिम में कमी। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियां, बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और ईरान जैसे मुद्दों ने देशों के बीच भरोसे की खाई को और गहरा कर दिया है। महंगाई और युद्ध जैसे हालात में सोना एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। यही वजह है कि अब देश अपने इस कीमती भंडार को अपने ही नियंत्रण में रखना चाहते हैं।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की शक्ति और भविष्य का सबसे बड़ा आधार है। यह न केवल व्यक्ति का व्यक्तित्व निर्मित करती है, बल्कि समाज और देश की तरक्की का मार्ग भी तय करती है। लेकिन वर्तमान शिक्षा प्रणाली आज के बदलते युग की चुनौतियों के अनुरूप नहीं है। अगर हम समय रहते सुधार नहीं करेंगे, तो हमारी युवा पीढ़ी अपने पूरे सामर्थ्य तक नहीं पहुँच पाएगी। आज स्कूल और कॉलेज शिक्षा में कई समस्याएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। सरकारी स्कूलों में कक्षाओं का अधूरा वातावरण, शिक्षक-संख्या की कमी और पुराने पाठ्यक्रम छात्रों की रुचि को प्रभावित करते हैं। वहीं, निजी स्कूलों में संसाधनों की अधिकता होने के बावजूद शिक्षा केवल परीक्षा केंद्रित बन गई है। इससे छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या सुलझाने की क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान की कमी हो रही है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह सकती। इसे छात्रों को आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और समाज के लिए उपयोगी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में विज्ञान, कला, तकनीकी शिक्षा और जीवन कौशल का संतुलित समावेश होना अनिवार्य है। इसके साथ ही, शिक्षकों का प्रशिक्षण आधुनिक तकनीकों और शिक्षण पद्धतियों के अनुरूप होना चाहिए। डिजिटल शिक्षा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ऑनलाइन कक्षाओं, डिजिटल पुस्तकालय और इंटरेक्टिव शिक्षण उपकरण छात्रों के सीखने की प्रक्रिया को आसान और रोचक बना सकते हैं। लेकिन इसका लाभ तभी संभव है जब डिजिटल तकनीक हर बच्चे तक पहुँचे, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। समाज और परिवार की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल परीक्षा के अंक तक सीमित न रखकर उनकी रुचियों और प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। शिक्षा में नैतिक और सामाजिक मूल्यों को भी शामिल करना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी सिर्फ विद्या नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनें। सरकार, शिक्षक और समाज—तीनों मिलकर ही शिक्षा में सुधार के असली लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। आधुनिक शिक्षा केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन की तैयारी, कौशल और मूल्यों का संयोजन होना चाहिए। यदि हम आज सुधार के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाएँगे, तो आने वाला कल हमारे युवाओं के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। अंततः, शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य और हर बच्चे की समग्र विकास यात्रा का मार्गदर्शक होना चाहिए। समय की मांग है कि हम शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, समावेशी और प्रभावी बनाएं। यही हमारी जिम्मेदारी और देश की प्रगति की कुंजी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में भाजपा-एनडीए सरकार बनने का भरोसा जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थिरुवल्ला में रैली में कहा कि केरल में भाजपा-एनडीए की पहली सरकार बनेगी। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण, विकास परियोजनाओं और सबरीमाला रेलवे को प्राथमिकता बताया। मोदी ने जनता से 9 अप्रैल को मतदान कर बदलाव सुनिश्चित करने की अपील की और एनडीए उम्मीदवार अनूप का समर्थन किया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को केरलम के थिरुवल्ला में आयोजित एक रैली में विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में पहली बार भाजपा-एनडीए की सरकार सत्ता में आएगी। रैली में मोदी ने राज्य में महिलाओं से मिल रहे मजबूत जनसमर्थन और विकास के एजेंडे पर विशेष जोर दिया।मोदी ने कहा कि केरल में बदलाव की हवा महसूस की जा रही है और 9 अप्रैल को होने वाले मतदान के बाद दशकों के कुशासन का अंत होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि एलडीएफ सरकार सत्ता से हटने वाली है और यह समय परिवर्तन का है। प्रधानमंत्री ने रैली में भारी भीड़ का जिक्र करते हुए कहा कि पूरे रास्ते पर एनडीए के प्रति जनता ने अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया।प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नॉर्थईस्ट और गोवा में भाजपा-एनडीए की सरकारों के विकास मॉडल का उदाहरण देते हुए कहा कि केरल में भी एनडीए की सरकार बनने पर स्थानीय किसानों, मछुआरों और युवाओं के लिए विकास और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने कहा कि केरल में बुनियादी ढांचे की कमी और उपेक्षा के कारण जनता को कई वर्षों तक परेशानी झेलनी पड़ी। मोदी ने केंद्र सरकार द्वारा राज्य को मिलने वाली धनराशि पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ सत्ता में थे, तब केरल को बहुत कम धनराशि मिलती थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में राज्य को पांच गुना अधिक वित्तीय सहायता दी गई है। उन्होंने सबरीमाला रेलवे परियोजना का भी जिक्र किया और आश्वासन दिया कि भाजपा की सरकार बनने के बाद परियोजना में कोई बाधा नहीं आएगी, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों, शौचालय निर्माण, बैंक खाते, मुद्रा ऋण और लखपति दीदी कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और भाजपा सरकार बनने पर इस संख्या में और वृद्धि होगी।प्रधानमंत्री ने एनडीए उम्मीदवार अनूप का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अनूप पिछले पांच वर्षों से अथक प्रयास और ईमानदारी के साथ कार्य कर रहे हैं और केरल के लोगों की सेवा के लिए यह युवा नेता उपयुक्त हैं।मोदी ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार के आने पर केरल में विकास की नई ऊंचाइयां छूई जाएंगी और जनता के जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने रैली में जनता से अपील की कि वे 9 अप्रैल को मतदान कर बदलाव सुनिश्चित करें और एनडीए की सरकार को सत्ता में लाएं। इस अवसर पर मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मिलकर उन्हें उत्साहित किया और विकास, महिला सशक्तिकरण और सुशासन के संदेश के साथ आगामी चुनाव के लिए जोश बढ़ाया।

के. अन्नामलाई ने चुनाव लड़ने से किया इनकार, नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के लिए चेन्नई रवाना

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दक्षिण भारत के बीजेपी के चर्चित और युवा नेता के अन्नामलाई केरल में चुनाव प्रचार छोड़कर तमिलनाडु वापस लौट आए। वे चेन्नई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस बीच उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चुनावी दौड़ में नहीं हैं। बीजेपी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व प्रमुख ने कहा कि 23 अप्रैल के चुनाव के लिए पार्टी ने आलाकमान को अनुमोदन के लिए संभावित उम्मीदवारों की जो सूची भेजी थी उसमें उनका नाम नहीं था क्योंकि उन्होंने इस बार चुनाव प्रचार करने का विकल्प चुना। उन्होंने कहा कि अगर वह चुनाव लड़ना चाहते तो वह तमिलनाडु के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते थे, लेकिन फिलहाल उनका ध्यान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने पर है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कन्नूर से हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पत्रकारों से कहा, "मैं इस दौड़ में या उम्मीदवारों की सूची में नहीं हूं। इस चुनाव में मेरी भूमिका तमिलनाडु भर में उम्मीदवारों के लिए प्रचार करना है। फिलहाल, पार्टी ने मुझे सात अप्रैल तक पुडुचेरी और केरल में और उसके बाद 23 अप्रैल तक तमिलनाडु में प्रचार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने मुझे यह जिम्मेदारी दी है। मैं इसे पूरा करूंगा।" भाजपा के एक सूत्र ने बताया कि उन्हें पूर्व अध्यक्ष के रूप में आज राज्य कोर कमेटी के वरिष्ठ भाजपा नेताओं की "बंद कमरे में होने वाली बैठक" में शामिल होने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री के साथ होने वाली इस बैठक में आगामी चुनाव पर चर्चा होगी, जिसमें राज्य कोर कमेटी में लगभग दस वरिष्ठ नेता शामिल हैं। अन्नामलाई ने बताया कि उन्होंने एक सप्ताह पहले ही भाजपा की तमिलनाडु इकाई के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को चुनाव न लड़ने के अपने फैसले से अवगत करा दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को भी इसकी जानकारी दे दी थी। मोदी के साथ मुलाकात के बारे में उन्होंने कहा, "चुनाव के दौरान यह एक सामान्य चर्चा होगी। मैं इसे प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करने के अवसर के रूप में देखता हूं

राघव चड्ढा का आम आदमी पार्टी पर पलटवार
उठाए तीन बड़े सवाल
पार्टी के आरोपों को बताया झूठ

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी से पूछे ये तीन सवाल

1. आम आदमी पार्टी बताए कब विपक्षी सांसदों के वाकआउट का साथ नहीं दिया। एक भी उदाहरण बताएं।
2. मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लाए गए मोशन में साइन करने को पार्टी ने कब कहा था। ये बता दें। मेरे अलावा पार्टी 6-7 और सांसदों ने भी साइन नहीं किया था, तो इसे क्यों मुद्दा बनाया जा रहा है।
3. मैं पार्लियामेंट में लड़ने झगड़े नहीं आया हूं। पार्टी का कब मुद्दा नहीं उठाया, ये भी बताया जाए। मैंने पंजाब के पानी का मुद्दा उठाया। इसके अलावा दिल्ली की हवा का मुद्दा उठाया। हमने GST का भी मुद्दा उठाया। राघव चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ कल से कैंपेन चल रहा है। एक जैसे आरोप, एक जैसी भाषा...। पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया है कि मैं विपक्षी सांसदों के वाकआउट में पार्टी का साथ नहीं दिया। यह सरासर झूठ है। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कोई भी फुटेज दिखा दे, जिसमें हमने पार्टी का साथ न दिया हो। आप के बागी सांसद ने यह भी कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ लाए गए मोशन के लिए साइन करने के लिए पार्टी ने उनसे कुछ नहीं कहा था। न तो औपचारिक रूप से और न ही अन्य तरीके से। पार्टी का यह आरोप भी सफेद झूठ है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी साइन नहीं किया था। सिर्फ मुझे ही दोषी क्यों ठहराया जा रहा है। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को पार्टी सांसद राघव चड्ढा पर संसद में केंद्र सरकार के खिलाफ मुद्दे उठाने से कतराने का आरोप लगाया था। आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि राघव संसद में कई मामलों में पार्टी के अनुसार नहीं चल रहे थे। वहीं, आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भी चड्ढा की

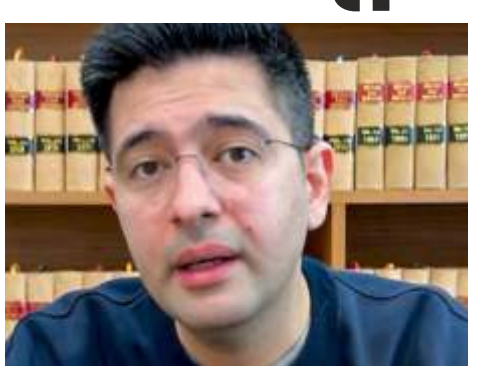

आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से "डरता" है, देश के लिए लड़ सकता है। ढांडा ने 'एक्स' पर कहा, "पश्चिम बंगाल में मतदान का अधिकार छीना जा रहा है। जब सदन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ एक प्रस्ताव आया तो आपने (चड्ढा) उस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।

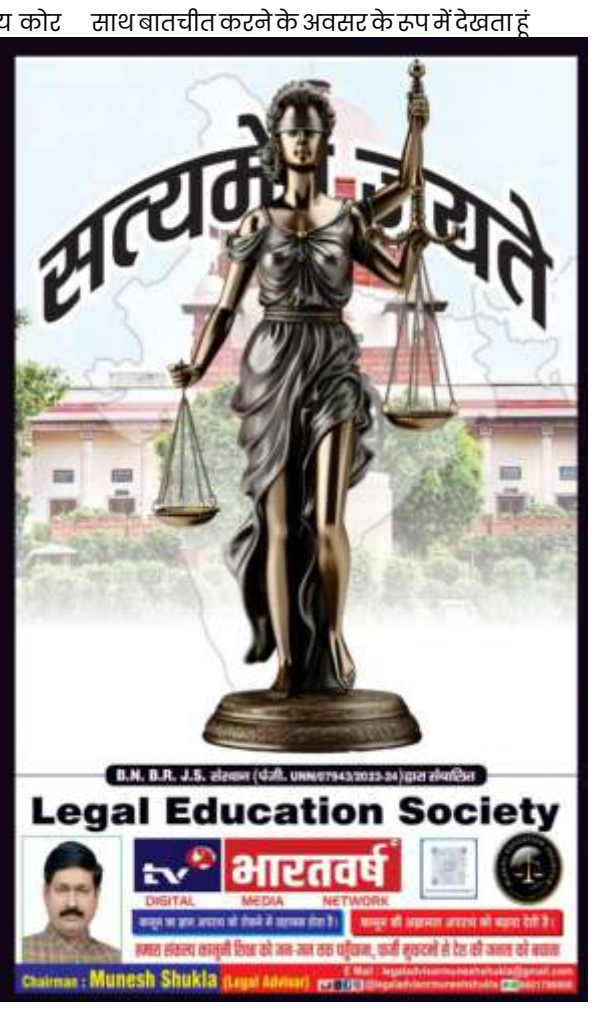

जेवर एयरपोर्ट में निकली बंपर भर्तियां

10वीं-12वीं पास से ग्रेजुएट तक के लिए सुनहरा मौका

अगर आप एयरपोर्ट पर नौकरी करने का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है. Jewar Airport (Noida International Airport) में 2026 के लिए कई तरह की भर्तियां निकली हैं. इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं. अप्लाई करने के लिए उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा. साथ ही नीचे बताए गए तरीके के जरिए भी अप्लाई किया जा सकता है. आइए पूरी डिटेल्स जानते हैं...

Jewar Airport में इस बार बड़ी संख्या में भर्तियां निकाली गई हैं. Ground Staff, Customer Service, Operations, Cargo और कई स्पेशलाइज्ड पदों पर भर्ती होगी.यह उन लोगों के लिए अच्छा मौका है जो प्राइवेट सेक्टर में एयरपोर्ट जॉब करना चाहते हैं. 10वीं, 12वीं पास और ग्रेजुएट सभी उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. Ground Staff/CSA के लिए 12वीं या ग्रेजुएशन जरूरी है, Operations पदों के लिए ग्रेजुएट होना चाहिए, जबकि Cargo, Loader और Housekeeping जैसे पदों के लिए 10वीं या 12वीं पास भी योग्य हैं.वहीं स्पेशल पदों के लिए संबंधित डिग्री और अनुभव जरूरी हो सकता है. Jewar Airport Vacancy 2026 के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष रखी गई है, जबकि अधिकतम आयु आमतौर पर 27 से 35 वर्ष के बीच पद के अनुसार तय की गई है. आरक्षित वर्ग (SC/ST/OBC) के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट भी दी जाएगी. इस भर्ती में सबसे पहले आवेदन के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग होगी. कुछ पदों के लिए लिखित परीक्षा भी ली जा सकती है. इसके बाद इंटरव्यू या HR राउंड होगा, फिर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल टेस्ट के बाद फाइनल चयन किया जाएगा. Jewar Airport Vacancy 2026 में सैलरी पद के अनुसार मिलती है, जिसमें शुरुआत में लगभग 15,000 रुपये से 30,000 रुपये प्रति महीना मिलता है।ल. अनुभव होने पर यह 25,000 रुपये से 50,000 रुपये तक बढ़ सकती है, जबकि बड़े पदों पर 50,000 रुपये से 1 लाख से ज्यादा तक सैलरी मिलती है, साथ ही अन्य सुविधाएं भी दी जाती हैं. Jewar Airport Vacancy 2026 के लिए आवेदन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट www.niairport.in या भर्ती पार्टनर की साइट पर जाएं. वहां "Jewar Airport Recruitment 2026" लिंक पर क्लिक करें, अपना रजिस्ट्रेशन करें, फॉर्म भरें, जरूरी डॉक्यूमेंट अपलोड करें और सबमिट करके उसका प्रिंटआउट रख लें. ज्यादा डिटेल्स के लिए उम्मीदवार आधिकारिक साइट की मदद ले सकते हैं.

किताबों से शोध तक, NCERT अब 'डीम्ड यूनिवर्सिटी', स्कूल शिक्षा से हायर एजुकेशन की ओर बड़ा कदम

देश की स्कूली शिक्षा से जुड़ी सबसे बड़ी संस्था अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है. लगभग तीन साल पहले जो संकेत मिले थे, अब वे हकीकत बन गए हैं. एनसीईआरटी को अब औपचारिक रूप से "डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी" का दर्जा दे दिया गया है. अब तक एनसीईआरटी की पहचान स्कूलों के पाठ्यक्रम, किताबें और शैक्षिक दिशा तय करने वाली संस्था के रूप में थी. लेकिन नए दर्जे के बाद यह संस्था शोध, पीएचडी और नए शैक्षणिक पाठ्यक्रम भी शुरू कर सकेगी. यानी स्कूल शिक्षा से आगे बढ़कर अब यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम रखेगी. बीते दिनों शिक्षा मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह घोषणा की. यह फैसला University Grants Commission की सलाह पर लिया गया है. यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत एनसीईआरटी और इसकी छह इकाइयों को "विशेष श्रेणी" में डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है. अधिसूचना में साफ कहा गया है कि एनसीईआरटी द्वारा शुरू किए जाने वाले सभी कोर्स यूजीसी के तय मानकों के अनुसार होंगे.इन इकाइयों में अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, मैसूर और शिलांग के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान शामिल हैं, साथ ही भोपाल स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन भी इसमें शामिल है. एनसीईआरटी को शोध कार्यक्रम, पीएचडी और नए तरह के शैक्षणिक कोर्स शुरू करने होंगे. यानी अब यह संस्था सिर्फ किताबें बनाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शिक्षा पर गहराई से शोध भी करेगी. हालांकि यह बदलाव सभी को सहज नहीं लगा था. 2022 में एनसीईआरटी के अंदर ही कुछ शिक्षकों ने चिंता जताई थी कि डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने से संस्था की शैक्षणिक स्वतंत्रता कम हो सकती है. उनका मानना था कि इससे एनसीईआरटी यूजीसी के नियमों में बंध जाएगी और स्कूल शिक्षा पर उसकी स्वतंत्र पकड़ कमजोर हो सकती है.नका मानना था कि इससे एनसीईआरटी यूजीसी के नियमों में बंध जाएगी और स्कूल शिक्षा पर उसकी स्वतंत्र पकड़ कमजोर हो सकती है.

जसप्रीत बुमराह ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में मुंबई इंडियंस के लिए अपने 150 टी20 मैच पूरे कर लिए हैं

पैट कमिंस आईपीएल 2026 कैंप छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौट गए

रिपोर्ट के अनुसार, कमिंस का स्कैन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की देखरेख में किया जाने वाला एक निर्धारित प्रक्रिया है। कमिंस गुरुवार को कोलकाता में सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मैच के बाद भारत से रवाना हुए थे। सीए से मंजूरी मिलने के बाद, उनके 17 अप्रैल को टीम में वापस आने की उम्मीद है। कमिंस, जो पिछले साल जुलाई से काफी हद तक निष्क्रिय रहे हैं - एडिलेड में एक एशेज टेस्ट में खेलने के अलावा - ने पहले कहा था कि उन्होंने नेट में गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है और एक संरचित पुनर्वास योजना के हिस्से के रूप में धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ा रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, बिजनेस ऑफ स्पोर्ट पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए कमिंस ने कहा कि मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा हूं, लेकिन सब ठीक है। मैंने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है। तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि वह आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी कर लेंगे। कमिंस ने कहा था कि आईपीएल जल्द ही शुरू होने वाला है। मैं इसकी शुरुआत में नहीं खेल पाऊंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि जल्द ही मैं मैदान पर वापसी कर लूंगा। कमिंस की जगह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन 2026 सीजन में एसआरएच के कप्तान हैं। एसआरएच ने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत खराब तरीके से की, क्योंकि उन्हें अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रनों से हराया। एसआरएच अब आईपीएल 2026 के अपने तीसरे मैच में 5 अप्रैल को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी।

लगातार दो पारियों में हुए फ्लॉप बचाव में आए हेड कोच

IPL 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही है। टीम ने अभी तक दो मैच खेले हैं और दोनों ही में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। इन दोनों मैचों में संजू सैमसन का बल्ला भी नहीं चला है और उनका फॉर्म में नहीं होना टीम के लिए चिंता का विषय बन गया है। संजू के खराब फॉर्म को देखकर फैंस उन्हें काफी ट्रोल कर रहे हैं लेकिन इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने संजू सैमसन के सपोर्ट में आकर बड़ा बयान दिया है। फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 फॉर्मेट में हर मैच में बल्लेबाज से रन नहीं बनते हैं। हाल ही में समाप्त हुए टी20 वर्ल्ड कप में संजू सैमसन ने लगातार तीन मैच में तीन अर्धशतक लगाए थे। लेकिन सैमसन उस फॉर्म को आईपीएल में बरकरार नहीं रख पाए हैं। CSK के लिए डेब्यू सीजन खेल रहे सैमसन ने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 6 और 7 रन बनाए हैं, जिसके बाद उनकी फॉर्म पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, फ्लेमिंग ने उनके सपोर्ट में कहा है कि वह हर मैच में रन नहीं बना सकता। यह T20 क्रिकेट है। पंजाब के खिलाफ वह एक एज देकर आउट हुआ। लेकिन वह अच्छी फॉर्म में है, अभ्यास भी शानदार कर रहा है। जब उसका बल्ला चलता है, तो वह मैच विनर साबित होता है। दो पारियों से किसी खिलाड़ी को जज नहीं किया जा सकता। संजू सैमसन की बात करें तो वह राजस्थान और पंजाब दोनों ही मैच में तेज गेंदबाज के खिलाफ आउट हुए हैं। अपने पूर्व टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर की गेंद पर बोल्ड हुए थे। इसके बाद पंजाब के खिलाफ मैच में उन्होंने जेवियर बार्टलेट की गेंद पर विकेटकीपर प्रभसिमरन को कैच थमा दिया।

युवराज सिंह का बड़ा खुलासा

विराट कोहली और रवि शास्त्री पर साधा निशाना

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने संन्यास (Retirement) को लेकर एक ऐसा खुलासा किया है जिसने क्रिकेट जगत में खलबली मचा दी है। युवी ने बताया कि कैसे करियर के आखिरी दौर में तत्कालीन कप्तान विराट कोहली और कोच रवि शास्त्री ने उन्हें मझधार में छोड़ दिया था। जो बात कप्तान और कोच होने के नाते कोहली-शास्त्री को बतानी चाहिए थी, उसका पता उन्हें दोस्त महेंद्र सिंह धोनी से चला था। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में बताया कि जब वह टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे, तब किसी ने उनसे सीधे बात नहीं की। युवी ने कहा, 'मुझे धोनी से पता चला था कि अब मेरा टीम में चयन नहीं किया जाएगा। उस समय धोनी कप्तान नहीं थे, लेकिन उन्होंने स्थिति को भांप लिया था। माही ने मुझे फोन किया और साफ कहा कि सिलेक्शन कमेटी अब तुम्हारी तरफ नहीं देख रही है और तुम उनकी प्लानिंग का हिस्सा नहीं हो।' युवी ने आगे कहा कि धोनी की उस बात ने उन्हें एक सही नजरिया दिया, लेकिन उन्हें इस बात का दुख है कि जो स्पष्टता कोच और कप्तान को देनी चाहिए थी, वह धोनी ने दी। विराट कोहली और रवि शास्त्री पर निशाना साधते हुए युवराज ने कहा, 'उस समय मुझे लगा कि मैं बीच में फंस गया हूं। मैंने देश के लिए इतना क्रिकेट खेला है, कम से कम मेरे लिए थोड़ी इज्जत और साफ बात तो बनती थी। लेकिन किसी ने मुझे कुछ नहीं बताया, बस मुझे टीम से अंदर-बाहर करते रहे।' युवराज ने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया कि मैनेजमेंट उन्हें फिटनेस का हवाला देकर संन्यास लेने के लिए मजबूर कर रहा था। युवी ने बताया कि मैनेजमेंट ने उनके सामने शर्त रखी थी कि अगर वह यो-यो टेस्ट में फेल होते हैं, तो उन्हें क्रिकेट छोड़ देना चाहिए। इसपर युवी ने मैनेजमेंट को साफ कह दिया था, 'संन्यास लेना है या नहीं, यह मेरा अपना फैसला होगा, किसी के कहने पर मैं ऐसा नहीं करूंगा। मुझे टीम में खिलाना या न खिलाना आपका फैसला हो सकता है, लेकिन मेरे रिटायरमेंट का फैसला सिर्फ मेरा होगा।'

ओरेकल की पूर्व कर्मचारी ने कहा- आज आराम से सोऊंगी

नौकरी गई पर हौसला नहीं

ओरेकल द्वारा वैश्विक स्तर पर 30,000 कर्मचारियों की छंटनी के बीच क्लेयर फोंटेनोट की सकारात्मक लिन्क्डइन पोस्ट वायरल हुई है. उन्होंने नौकरी खोने को डर के बजाय खुद के लिए एक जरूरी 'ब्रेक' और अवसर माना.

क्लेयर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वे इस समय को एक अवसर की तरह देख रही हैं.

ऑरेकल कंपनी में हाल ही में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी हुई है, जिसके बाद कई कर्मचारियों की व्यक्तिगत कहानियां सोशल मीडिया पर सामने आ रही हैं. इन्हीं में से एक कहानी क्लेयर फोंटेनोट की है, जिन्होंने नौकरी जाने के बाद भी बेहद शांत और सकारात्मक सोच का परिचय दिया. उनकी प्रतिक्रिया ने इंटरनेट पर लोगों का ध्यान खींचा है और कई लोग उनकी सराहना कर रहे हैं.

क्लेयर फोंटेनोट ओरेकल में प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए सीनियर टेक्निकल प्रोग्राम मैनेजर के पद पर काम कर रही थीं. वे लगभग तीन साल से कंपनी के साथ जुड़ी हुई थीं. अचानक हुई छंटनी में उनका नाम भी शामिल हो गया. आमतौर पर ऐसी स्थिति में लोग घबरा जाते हैं या निराश हो जाते हैं, लेकिन क्लेयर ने इस मुश्किल समय को अलग नजरिए से देखा. नौकरी जाने के बाद उन्होंने अपने अनुभव और विचार लिंक्डइन पर शेयर किए. उन्होंने लिखा कि जब उन्हें नौकरी जाने की खबर मिली तो उनके मन में सबसे पहले "अरे बाप रे!" जैसा ख्याल आया. लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने खुद को संभाला और कहा कि ऐसा होता रहता है. उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी लिखा कि अब उन्हें थोड़ा आराम करने और देर तक सोने का मौका मिलेगा. क्लेयर ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कि वे इस समय को एक अवसर की तरह देख रही हैं. उन्होंने माना कि नौकरी खोना आसान नहीं होता और में नौकरी ढूंढ रही हूं कहना थोड़ा असहज लग सकता है. लेकिन इसके बावजूद वे इस समय को खुद के लिए एक ब्रेक और सोचने का मौका मान रही हैं. उनका कहना है कि अब वे धीमे होकर यह सोच पाएंगी कि उन्हें आगे क्या करना है और किस दिशा में बढ़ना है. उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी में ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं, जब इंसान रुककर खुद के बारे में और अपने भविष्य के बारे में सोच सके. इसलिए वे इस अनिश्चितता को डर की तरह नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत के रूप में देख रही हैं. उनकी यह सकारात्मक सोच कई लोगों को प्रेरित कर रही है.

बॉलीवुड सॉन्ग पर सिक्योरिटी गार्ड का डांस वायरल

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक सिक्योरिटी गार्ड का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं. इस वीडियो में एक सिक्योरिटी गार्ड अपनी ड्यूटी के दौरान मशहूर गाने 'हम प्यार करने वाले, दुनिया से ना डरने वाले' पर शानदार अंदाज़ में डांस करता नजर आ रहा है. उसका यह बेफिक्र और आत्मविश्वास से भरा अंदाज़ लोगों का दिल जीत रहा है.

आज की तस्वीर

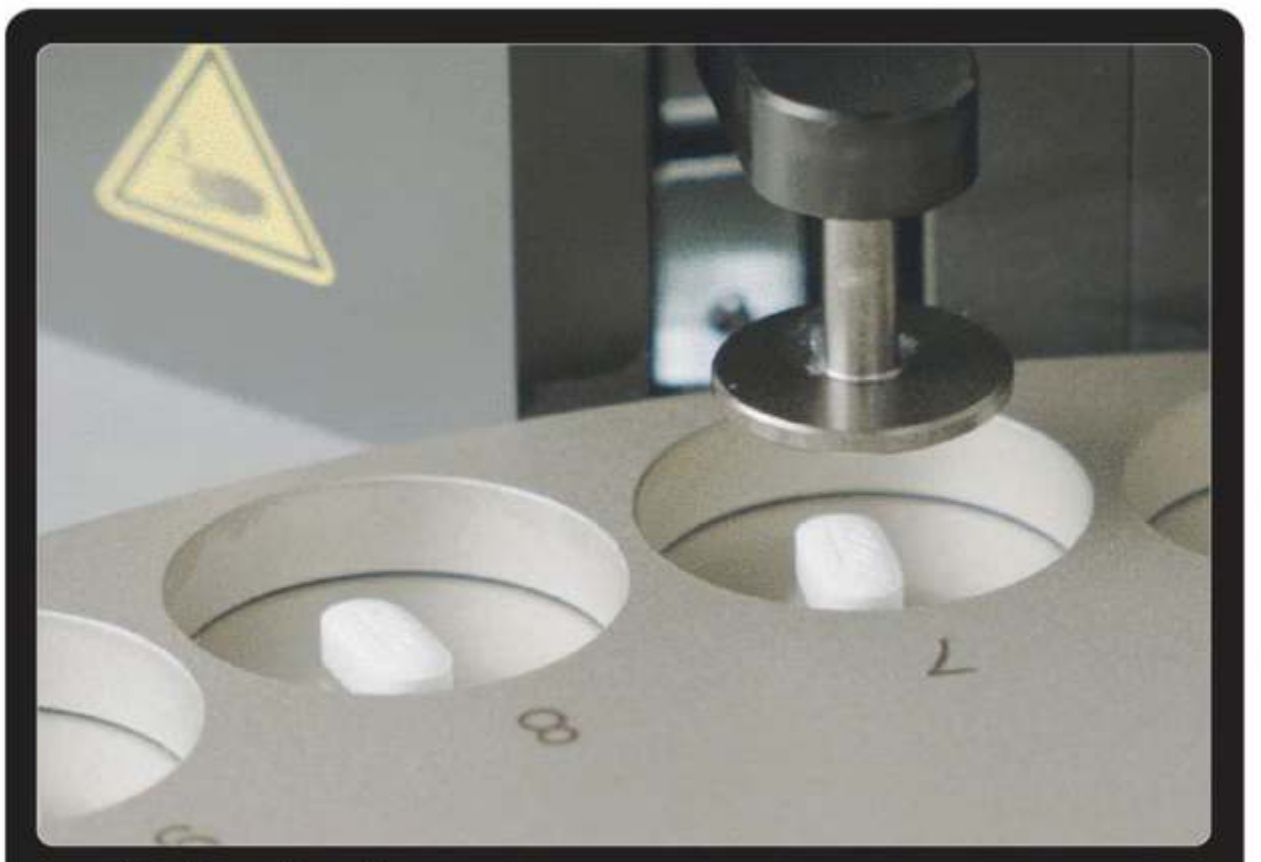

एक टैबलेट और मोटापा कम

अमेरिकी इग्स कंट्रोलर FADA ने कंपनी एली लिली की वेट लॉस पिल फाउंडायो को मंजूरी दे दी है. प्यूर्टो रिको के कैरोलिना स्थित प्लांट में तैयार हो रही यह दवा अब मोटापा कम करने की दौड़ में नया गेमचेंजर मानी जा रही है.

पुलिस की गाड़ी की खिड़की से रेंगकर फरार हुई महिला

हथकड़ी भी न रोक सकी महिला की हिम्मत

मिशिगन के मस्केगन हाइट्स में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला हथकड़ी लगे होने के बावजूद पुलिस की गाड़ी से फरार हो गई. इस पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह तेजी से वायरल हो गया.सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शनिवार दोपहर की है. पुलिस ने बाद में पुष्टि की कि महिला को दोबारा पकड़ लिया गया है और फिलहाल वह हिरासत में है. मामला तब शुरू हुआ जब गश्त कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने एक खाली कमर्शियल प्रॉपर्टी के पास खड़ी एक गाड़ी को देखा.अधिकारी ने वहां मौजूद लोगों से बात की और ड्राइवर की पहचान कर ली, लेकिन महिला यात्री की पहचान तुरंत नहीं हो सकी. इसके बाद एक दूसरा अधिकारी फिंगरप्रिंट स्कैनर लेकर पहुंचा,

जिसकी मदद से उसकी पहचान की गई.जांच में सामने आया कि महिला के खिलाफ पैरोल वॉयलेशन का वारंट जारी था, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद महिला के हाथ पीछे की ओर हथकड़ी लगाकर उसे पुलिस की गाड़ी की पिछली सीट पर बैठा दिया गया.इसी दौरान अधिकारी उस गाड़ी की तलाशी लेने में जुटे थे, जिसमें वह पहले बैठी थी. इसी बीच, पास खड़े एक शख्स ने जो देखा, उसने सभी को चौंका दिया.

राजकुमार राव की पत्नी ने लगाया बड़ा दांव

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर का ट्रेलर रिलीज

फिल्म को राजकुमार की पत्नी पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए राजकुमार राव ने कहा, 'यह मेरे लिए खास है क्योंकि यह हमारे प्रोडक्शन हाउस, कम्पा फिल्म के बैनर तले बनी हमारी पहली फिल्म है, जिसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। मैं इस कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। 'टोस्टर' की सबसे खास बात यह है कि कैसे एक छोटी सी चीज किसी के दिमाग पर पूरी तरह हावी हो सकती है। रमाकांत एक ऐसा व्यक्ति है जो

सचमुच मानता है कि वह सही काम कर रहा है। वह अपने कार्यों को अतिवादी नहीं, बल्कि व्यावहारिक मानता है।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन यही बात इस सफर को इतना अप्रत्याशित बनाती है। यह एक ऐसी कहानी है जो एक बहुत ही वास्तविक पृष्ठभूमि से आती है, और उस ईमानदारी को अराजकता में बदलते देखना ही फिल्म को दिलचस्प और मनोरंजक बनाता है। इतने शानदार कलाकारों के साथ काम करना भी एक सुखद अनुभव था, जिन्होंने इस दुनिया को सचमुच जीवंत कर दिया।' परवेज़ शेख, अक्षत घिल्डियाल और अनघ मुखर्जी द्वारा लिखित पटकथा वाली 'टोस्टर' एक तीक्ष्ण, चरित्र-प्रधान कहानी का वादा करती है, जहां एक छोटा सा जुनून बड़े परिणामों को जन्म देता है। यह फिल्म 15 अप्रैल को ओटीटी चैनल पर रिलीज होगी। कहानी एक मामूली सी घटना से शुरू होती है, जब रमाकांत एक शादी में टोस्टर उपहार में देता है। हालांकि, जब शादी अचानक रद्द हो जाती है, तो उस उपकरण को वापस पाने की उसकी ज़िद उसे जटिल और अराजक घटनाओं की एक श्रृंखला में उलझा देती है। जो एक साधारण मिशन के रूप में शुरू होता है, वह जल्द ही कई उलझी हुई स्थितियों में बदल जाता है, जिसमें उसके आसपास के सभी लोग फंस जाते हैं। यह फिल्म गंभीर हास्य और परिस्थितिजन्य अराजकता का मिश्रण है, और अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, उपेंद्र लिमये, विनोद रावत, जितेंद्र जोशी और सीमा पाहवा सहित कलाकारों की टोली पर भरपूर निर्भर करती है। प्रत्येक किरदार फिल्म में बढ़ते हुए भ्रम में अपना योगदान देता है, जिससे इसकी तीव्र गति वाली कहानी में गहराई आती है।

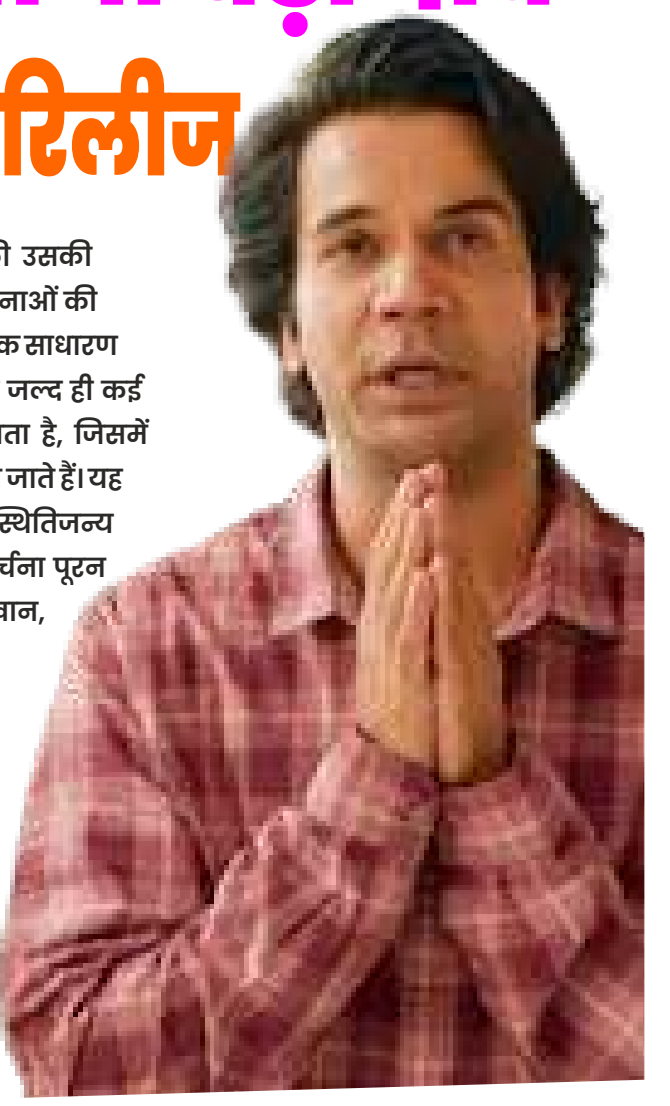

सरोजनी नगर तहसील में समाधान दिवस पर हंगामा, जमीन कब्जे के आरोपों को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील में समाधान दिवस पर अली नगर खुर्द के ग्रामीणों ने ओमेक्स सिटी पर जमीन कब्जे के आरोप लगाकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मुआवजा, रास्ते और सुरक्षा की मांग उठाई। एसडीएम ने जांच का आश्वासन दिया, जबकि अन्य गांवों से भी अवैध कब्जे की शिकायतें सामने आईं।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

सरोजनी नगर तहसील में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उस समय हंगामे में बदल गया, जब अली नगर खुर्द के ग्रामीणों ने ओमेक्स सिटी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनकी निजी जमीनों पर जबरन कब्जा किया जा रहा है और उन्हें अपने मकान खाली करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश क्रांति किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण दोपहर करीब 12:30 बजे तहसील परिसर पहुंचे। दोपहर एक बजे समाधान दिवस स्थल पर एकत्र होकर उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी और प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध जताया। करीब एक घंटे तक चले इस प्रदर्शन से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना था कि ओमेक्स सिटी प्रबंधन द्वारा उनकी जमीनों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी गांव में घर-घर जाकर लोगों पर जमीन छोड़ने का दबाव बना रहे हैं। इसके साथ ही, गांव की आबादी में बने मकानों के सामने गड्ढे खोदकर लोहे की टीन शेड की बाउंड्री वॉल बनाई जा रही है, जिससे आने-जाने के रास्ते भी बंद हो रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम समाज की भूमि, जिसमें श्मशान के लिए दर्ज जमीन भी शामिल है, उस पर भी अवैध कब्जा किया गया है। इस मुद्दे को लेकर लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिला। किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह यादव ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।गांव निवासी दयाराम लोधी, सत्य प्रकाश लोधी और मुन्नीलाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में वे कई बार तहसील में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि जो किसान अपनी जमीन देने से इनकार करता है, उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिससे वह मजबूरी में अपनी जमीन बेच देता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खाता संख्या 182/16 की भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग की। इसके अलावा ग्रामीणों ने किसान पथ की सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट न होने की समस्या भी उठाई। उनका कहना था कि अंधेरे के कारण क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति प्रभावित हो रही है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।हंगामे की सूचना पर मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। बाद में एसडीएम अंकित शुक्ला ने ग्रामीणों को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग शांत हुए। इसी दौरान शाहपुर मझिगवां के ग्रामीणों ने भी बंजर भूमि गाटा संख्या 221 और 222 पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि पूर्व में कब्जा हटाए जाने के बावजूद दोबारा निर्माण की तैयारी की जा रही है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। समाधान दिवस में अन्य फरियादियों ने भी अपनी-अपनी समस्याएं रखीं, जिस पर संबंधित अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

लखनऊ में खाने-पीने के सामान के दाम 20% तक बढ़ गए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी में खाने-पीने के सामान की कीमतों में तेज वृद्धि देखने को मिल रही है, जिससे आम ग्राहक और कारोबारी दोनों प्रभावित हैं। बाजार में दाम 15-20% तक बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण कॉमर्शियल LPG सिलेंडर की किल्लत और महंगाई है, इसके चलते शहर के होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों की संचालन क्षमता प्रभावित हुई है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं।दरअसल, कमर्शियल LPG सिलेंडर की आपूर्ति में गिरावट और दामों में उछाल ने खाने-पीने की तैयारियों पर सीधा असर डाला है। किन्हीं दुकानों और रेस्तरांओं को अब पुराने सस्ते गैस सिलेंडर मुश्किल से मिल रहे हैं, तो कई छोटे होटल मालिक बाजार से गैस खरीदने पर मजबूर हैं, जिसकी कीमतें पहले से कहीं अधिक हो गई हैं। विशेष रूप से शहर के पुराने क्षेत्रों में मशहूर कबाब, बिरयानी और अन्य खाने-पीने के व्यंजन के दाम में 30-40% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। कई प्रतिष्ठित खाने-पीने की दुकानों के मालिक बताते हैं कि गैस की कमी ने उन्हें पारंपरिक तरीके से खाना पकाने के लिए कोयला, लकड़ी और डीज़ल जैसे विकल्पों का सहारा लिया है, जिससे खाना बनाना महंगा हो गया है और वे मजबूरन मेनू में परिवर्तन कर रहे हैं। इसमें कोयला की कीमतें भी पहले से अधिक हो गई हैं, जिससे कुल लागत बढ़ रही है।

लखनऊ में पकड़ा आतंकी मॉड्यूल, चार आरोपियों को 5 दिन की ATS रिमांड

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल के चार आरोपियों को शनिवार को विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें यूपी एटीएस की 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। अब एटीएस आरोपियों से उनके पाकिस्तानी हैंडलर्स और आतंकी नेटवर्क के बारे में पूछताछ करेगी।आरोपियों की पहचान शाकिब, विकास गहलावत, लोकेश उर्फ पपला पंडित और अरबाब के रूप में हुई है। दोपहर को एटीएस कमांडो ने उन्हें लखनऊ की विशेष अदालत में पेश किया, जहां अधिकारियों ने उनकी कस्टडी रिमांड मांगी। अदालत ने इसे स्वीकार कर 5 दिन के लिए आरोपियों को एटीएस के हवाले किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने लखनऊ, गाजियाबाद और अलीगढ़ जैसे शहरों में रेलवे संपत्ति, प्रतिष्ठित संस्थानों और कुछ राजनीतिक व्यक्तियों की रेकी की थी। जांच एजेंसियां अब इन स्थानों की पुष्टि कर संभावित खतरे का आकलन कर रही हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि आरोपियों ने छोटे स्तर के हमलों को अंजाम देकर अपने हैंडलर्स को 'ट्रायल' दिखाया था। इनमें आगजनी जैसी घटनाओं को वीडियो के माध्यम से उनके हैंडलर्स को भेजा गया और इसके बदले उन्हें भुगतान भी किया गया। इन घटनाओं ने उनके हौसले को बढ़ाया और बड़े हमले की योजना का संकेत दिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से ज्वलनशील पदार्थ, सात स्मार्टफोन और कई आपत्तिजनक पंपलेट बरामद किए गए हैं। एटीएस इन डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कर रही है, जिससे चैट, ट्रांजैक्शन और विदेशी संपर्कों से जुड़े अहम सुराग मिलने की संभावना है। एटीएस के अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ का सबसे बड़ा फोकस पाकिस्तानी हैंडलर्स और उनके नेटवर्क से जुड़े सभी संपर्कों को उजागर करना है। यह पता लगाया जाएगा कि किन माध्यमों से संपर्क किया जा रहा था, किन स्थानों को टारगेट बनाया गया और भविष्य में किसी बड़े हमले की योजना तो नहीं बनाई जा रही थी। इस मामले के खुलासे के बाद राज्य की सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। आरोपियों की रिमांड के दौरान एटीएस की टीम डिजिटल और फिजिकल सबूतों के आधार पर आतंकी नेटवर्क के पैटर्न का विश्लेषण करेगी और नए सुरागों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राइफल साफ करते समय चली गोली, बैंक क्लर्क की दर्दनाक मौत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

जानकीपुरम क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्लर्क की गोली लगने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह अपने घर में लाइसेंसी राइफल साफ कर रहे थे। अचानक चली गोली उनकी ठुड्डी को चीरते हुए सिर के ऊपर से निकल गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गईयह घटना पिंक सिटी मिर्जापुर इलाके में सुबह करीब 9 बजे की है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय प्रकाश मिश्रा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जानकीपुरम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह मामला हादसा प्रतीत हो रहा है। जानकीपुरम इंस्पेक्टर विनोद तिवारी ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया गया है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं।मृतक के ससुर ईश्वरचंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रकाश मिश्रा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे और उनकी तैनाती अलीगंज के सेक्टर-क्यू शाखा में थी। वह भारतीय वायुसेना से वर्ष 2013 में सेवानिवृत्त हुए थे, जिसके बाद उन्होंने बैंक में नौकरी शुरू की थी।परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह प्रकाश मिश्रा अपने घर में राइफल की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई और यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि यह राइफल पहले उनके पिता के नाम थी, जो बाद में उनके नाम ट्रांसफर हो गई थी। प्रकाश मिश्रा मूल रूप से हरदोई जिले के कोतवाली शहर क्षेत्र के निवासी थे। वर्तमान में वह लखनऊ के जानकीपुरम में अपनी पत्नी रश्मि के साथ रह रहे थे। उनकी बेटी शालिनी की शादी उन्नाव में हो चुकी है, जबकि बेटा स्पर्श कानपुर में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है।

लखनऊ में पंचायत चुनाव टालने के विरोध में
सपा छात्र सभा का जोरदार प्रदर्शन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के अटल चौक पर शनिवार को पंचायत चुनावों में देरी को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं और खासकर सपा छात्र सभा ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने "चुनाव टालना बंद करो" और "लोकतंत्र बचाओ" जैसे नारे लगाते हुए प्रदेश सरकार और चुनाव प्राधिकरण पर पंचायत चुनावों में अनावश्यक देरी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन सुबह शुरू हुआ जब पार्टी के छात्र वर्ग और अन्य कार्यकर्ता हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लेकर अटल चौक पर एकत्रित हुए। उन्होंने धीमे चुनाव कार्यक्रम का विरोध करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव गांवों के लोकतांत्रिक अधिकारों और स्थानीय शासन को पुनर्जीवित करने का माध्यम हैं। इससे जुड़े फैसले और विकास योजनाएं वर्षों से लंबित पड़ी हैं, जिससे ग्रामीण और आम जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग मतदान की प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से टाल रहे हैं, जिससे संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के मूलभूत सिद्धांतों की अवहेलना हो रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों में वैधता और पारदर्शिता का पालन होना चाहिए और जनता की आवाज़ का सम्मान किया जाना चाहिए।

चारबाग समेत 52 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार की तैयारी, लंबी ट्रेनों को मिलेगी राहत

देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन सहित 52 स्टेशनों के कुल 146 प्लेटफॉर्मों की लंबाई बढ़ाने की योजना तैयार की गई है। इस पहल से 22 से 24 कोच वाली लंबी ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी और उन्हें आउटर पर रोकने की समस्या से राहत मिलेगी। वर्तमान में कई स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म छोटे होने के कारण ट्रेनों की कुछ बोगियां प्लेटफॉर्म से बाहर रह जाती हैं। इससे यात्रियों को चढ़ने और उतरने में काफी असुविधा होती है। कई बार यात्रियों को जोखिम उठाकर प्लेटफॉर्म से दूर खड़ी बोगियों तक पहुंचना पड़ता है। प्लेटफॉर्म के विस्तार के बाद यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। इस योजना का लाभ केवल यात्रियों को ही नहीं, बल्कि पार्सल सेवाओं को भी मिलेगा। अभी प्लेटफॉर्म छोटे होने के कारण कई बार पार्सल वैन प्लेटफॉर्म से बाहर रह जाती है, जिससे लोडिंग और अनलोडिंग में दिक्कत आती है। कई बार बिना पार्सल उतारे ही ट्रेन को रवाना करना पड़ता है। प्लेटफॉर्म की लंबाई बढ़ने से यह प्रक्रिया सुगम हो जाएगी और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था भी मजबूत होगी। रेलवे ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए करीब 198 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। योजना के पहले चरण में उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों को शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अप्रैल के अंत तक निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 2, 3, 4 और 5 की लंबाई बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में केवल प्लेटफॉर्म नंबर 1 ही इतना लंबा है कि उस पर पूरी ट्रेन आसानी से खड़ी हो सकती है। सर्वे के अनुसार अधिकांश प्लेटफॉर्मों की लंबाई 300 से 500 मीटर तक बढ़ाई जाएगी, जिससे उनकी कुल लंबाई 1200 से 1500 मीटर तक पहुंच जाएगी।रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में कम कोच वाली ट्रेनों के बजाय 22 से 24 बोगियों वाली फुल रैक ट्रेनों का संचालन बढ़ाया जाए। ऐसे में प्लेटफॉर्म का विस्तार आवश्यक हो गया है। इस योजना के लागू होने के बाद ट्रेनों को स्टेशन के बाहर रोकने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और यात्रा अनुभव अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनेगा।

उन्नाव जिला अस्पताल पर डीजी हेल्थ का औचक छापा, व्यवस्थाओं की खुली पोल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने के उद्देश्य से डीजी हेल्थ पवन कुमार ने शनिवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का गहन निरीक्षण करते हुए मरीजों से सीधे संवाद स्थापित किया और उन्हें मिल रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुरुष एवं महिला वार्ड के साथ-साथ इमरजेंसी सेवाओं की भी बारीकी से समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान डीजी हेल्थ ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके अनुभव जानने का प्रयास किया। अधिकांश मरीजों ने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। मरीजों का कहना था कि डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ समय पर उपचार दे रहे हैं और उनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया को डीजी हेल्थ ने स्वास्थ्य विभाग के लिए उत्साहजनक बताया और कहा कि यह संकेत है कि व्यवस्थाएं सही दिशा में काम कर रही हैं। हालांकि, निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां भी सामने आईं। अस्पताल परिसर के कुछ हिस्सों में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इसके अलावा इमरजेंसी वार्ड के कुछ बेड भी ठीक हालत में नहीं मिले, जिससे मरीजों को असुविधा हो सकती है। इन खामियों पर नाराजगी जताते हुए डीजी हेल्थ ने अस्पताल अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अस्पताल में नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। विशेष रूप से साफ-सफाई, बेड की स्थिति और टॉयलेट्स की स्वच्छता पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, जिससे मरीजों को बेहतर माहौल मिल सके।निरीक्षण के दौरान गर्मी के मौसम को देखते हुए पंखों की कमी का मुद्दा भी सामने आया। कई वार्डों में पंखे बंद पाए गए, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कुछ लोग तो घर से पंखे या हाथ वाले पंखे लाने को मजबूर थे। इस पर डीजी हेल्थ ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल सभी पंखों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पहले भी गर्मी को ध्यान में रखते हुए पंखे और कूलर चालू रखने के निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन यदि इसमें लापरवाही बरती जा रही है तो यह गंभीर मामला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को किसी भी हालत में असुविधा नहीं होनी चाहिए और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। डीजी हेल्थ पवन कुमार ने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अपर मुख्य सचिव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे, विशेषकर गरीब और जरूरतमंद लोगों को इसका पूरा फायदा मिल सके। अंत में उन्होंने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को टीम भावना के साथ कार्य करने की सलाह दी और चेतावनी दी कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के बाद अस्पताल प्रशासन ने सभी कमियों को शीघ्र दूर करने और व्यवस्थाओं में सुधार लाने का आश्वासन दिया।

तेज रफ्तार डंपर ने मारी टक्कर, दो लोगों की दर्दनाक मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। अनामिका ढाबा के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। अजगैन थाना क्षेत्र के तुड़नखेड़ा गांव निवासी 37 वर्षीय मनीराम अपने परिचित 35 वर्षीय चांदनी के साथ मोटरसाइकिल से बीमार मां को देखने जा रहे थे। इसी दौरान कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अनामिका ढाबा के पास यह दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल चांदनी को एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया, जबकि मनीराम को शक्ति मोबाइल के माध्यम से जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान चांदनी को भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, इंपर चालक वाहन को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने इंपर को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर सुचारू कराया।

गंगापुल परियोजना से प्रभावित 47 परिवारों का हंगामा,

मुआवजा बढ़ाने की मांग

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शुक्लागंज गंगाघाट क्षेत्र में निर्माणाधीन नवीन फोरलेन गंगापुल परियोजना से प्रभावित परिवारों की समस्याओं को लेकर शनिवार को राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की संयुक्त टीम ने बैठक आयोजित की। यह बैठक मिश्रा कॉलोनी और सीताराम कॉलोनी में हुई, जिसमें परियोजना से प्रभावित 47 परिवारों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं और उचित मुआवजा तथा पुनर्वास की मांग उठाई। बैठक के दौरान प्रभावित परिवारों ने बताया कि उनके मकानों का मूल्यांकन वास्तविक बाजार कीमत से काफी कम किया गया है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि मुआवजा सर्किल रेट के आधार पर तय किया जाए, ताकि वे नए स्थान पर मकान का निर्माण कर सकें और अपने परिवार का पुनर्वास ठीक ढंग से कर पाएं।इसके साथ ही विस्थापित परिवारों ने सरकार से आवास निर्माण के लिए वैकल्पिक भूमि आवंटित करने की मांग भी की। उनका कहना था कि केवल मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रहने के लिए जमीन भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई परिवार पिछले लगभग 75 वर्षों से यहां रह रहे हैं और अब उनकी चौथी पीढ़ी इस क्षेत्र में निवास कर रही है। ऐसे में अचानक विस्थापन उनके लिए गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। बैठक में कुलदीप यादव नामक प्रभावित व्यक्ति ने अधिकारियों को बताया कि मुआवजा सूची में कई स्थानों पर त्रुटियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सूची में मकान मालिकों के बजाय किरायेदारों के नाम शामिल कर दिए गए हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने सूची में संशोधन कर वास्तविक मालिकों के नाम दर्ज करने की मांग की। इसके अलावा प्रभावितों ने यह भी आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी द्वारा मकानों की माप कम की गई है, जिससे मुआवजे की राशि घट रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्तमान मुआवजा राशि में नए मकान का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए मुआवजा बढ़ाया जाए और उचित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता अखिल गंगवार, सहायक अभियंता अनिरुद्ध कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, कानूनगो मोहम्मद अमीन और लेखपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संयुक्त टीम ने सभी प्रभावित परिवारों से लिखित मांगपत्र प्राप्त किए और आश्वासन दिया कि उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा कर विधिक प्रक्रिया के तहत उचित निर्णय लिया जाएगा। करीब एक घंटे चली इस बैठक में सभी प्रभावितों ने सामूहिक रूप से अपने मांगपत्र पर हस्ताक्षर कर अधिकारियों को सौंप दिया। अब प्रभावित परिवारों की नजर सरकार के आगामी निर्णय पर टिकी है कि उन्हें उचित मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा मिल पाती है या नहीं।

बाँगरमऊ में भीषण आग से 35 परिवार तबाह

सपा नेताओं ने पहुँचकर बांटी राहत सामग्री

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष श्री राजेश कुमार यादव जी आज विधानसभा क्षेत्र बाँगरमऊ के ग्राम मल्लाहनपुरवा में भीषण आग से प्रभावित हुए लगभग 35 परिवारों से मिलने पहुँचे।श्री यादव ने घटना की जानकारी लेते हुए सभी पीड़ित परिवारों से उनका हाल चाल जाना एवं उन्हें ढाँढस बंधाया।अज्ञात कारणों से लगी आग के विकराल रूप में लगभग 35 घर पूरी तरह से जलकर ख़ाक हो गए जिसमें लोगों की नकदी,जेवर तथा गृहस्थी तथा खाने पीने का का सारा सामान भी नष्ट हो गया।इस मौके पर श्री यादव ने सभी पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री के रूप में आटा,दाल,चावल,तेल तथा रोजमर्रा की जरूरतों हेतु अन्य आवश्यक सामग्री मुहैया कराई।श्री यादव ने सभी को आश्वस्त किया कि समाजवादी पार्टी हर पीड़ित दुखी परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और आगे हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।मीडिया के साथियों से बातचीत के दौरान श्री यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार से इन सभी पीड़ित परिवारों को तत्काल 5-5 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने की माँग की।इस मौके पर मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष श्री रामपाल कुशवाहा,पिछड़ा वर्ग के जिला उपाध्यक्ष राधेलाल निषाद,यशोदा निषाद,कुलदीप निषाद,जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर गौतम,सैय्यद इरफान,युवजन सभा ज़िलाध्यक्ष अमन अंजुम,यूथ ब्रिगेड ज़िलाध्यक्ष अंकित यादव,मनीष सैनी,मोहित लोधी,अजय यादव,पंकज लोधी,सूरज निषाद,शैलेन्द्र पाल, राधेश्याम यादव, राजू यादव, विनय यादव, आनंद कुशवाहा,अरविन्द निषाद आदि लोग मौजूद रहे।

रिपोर्टर अभिषेक मिश्रा ब्यूरो चीफ उन्नाव

सुरक्षा के लिए बड़ा कदम: पुल पर 15-30 किमी/घंटा की स्पीड लिमिट लागू

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गंगा रेलवे पुल के कायाकल्प के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान ट्रेनों की गति पर सख्त निगरानी लागू की गई है। पुल पर व्यापक ट्रैक सुधार और संरचनात्मक मजबूती के कार्य के चलते रेलवे प्रशासन ने अस्थायी गति सीमा लागू की है। डाउन लाइन पर ट्रेनें 15 किलोमीटर प्रति घंटा और अप लाइन पर 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पुल पर पुराने और जर्जर हो चुके स्टील ट्रफ तथा स्लीपरों को हटाकर आधुनिक एचबीम चैनल स्लीपर लगाए जा रहे हैं। इस कार्य का उद्देश्य पुल की मजबूती बढ़ाना और भविष्य में सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करना है। भीषण गर्मी के बावजूद, लगभग 200 रेल कर्मियों ने मेगा ब्लॉक के दौरान लगातार आठ घंटे काम किया। मेगा ब्लॉक मिलते ही लखनऊ मंडल की इंजीनियरिंग टीम सक्रिय हो गई। टीआई अनिलेश कुमार, सीनियर डीईएन राहुल सिंह और एक्सक्लूसिव इंजीनियर राम लखन सचान सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्य की निगरानी की। कानपुर छोर से शुरू हुए इस अभियान में रेल कर्मचारियों ने युद्धस्तर पर एचबीम स्लीपर स्थापित किए। रेलवे सूत्रों के अनुसार, दो दिनों के भीतर कुल 76 स्लीपर बदले जा चुके हैं। परियोजना के तहत प्रतिदिन 50 एचबीम स्लीपर बदलने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि पूरे कार्य को 42 दिनों के भीतर पूरा किया जा सके।

उन्नाव में दर्दनाक घटना: बीमारी और कर्ज से टूटे व्यक्ति ने उठाया कदम

उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र में बीमारी और कर्ज से जूझ रहे एक अधेड़ व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में मातम छा गया और पूरे गांव में शोक का माहौल फैल गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के हिनौरा गांव निवासी 55 वर्षीय राम लखन पुत्र हरी मोहन ने अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने बताया कि राम लखन लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। इसके साथ ही वह आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज के बोझ से भी परेशान थे, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। राम लखन पहले ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। हालांकि, खराब स्वास्थ्य के कारण वह पिछले कुछ समय से नियमित रूप से काम नहीं कर पा रहे थे। आय का स्रोत बंद होने से परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी और उन पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा था। यह घटना तब सामने आई जब परिवार के सदस्यों ने राम लखन को अपने कमरे में संदिग्ध अवस्था में लटका हुआ देखा। परिजनों ने तत्काल पड़ोसियों को सूचित किया और पुलिस को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को नीचे उतारा, प्रारंभिक जांच की और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

जनसुनवाई में डीएम सख्त

शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

हाथरस में समाधान दिवस के दौरान डीएम अतुल वत्स और एसपी ने जनसुनवाई कर शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कुल 62 शिकायतें मिलीं, जिनमें 5 का मौके पर समाधान हुआ। अन्य शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजकर समयबद्ध कार्रवाई के आदेश दिए गए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा के साथ तहसील हाथरस में जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्णढंग से करने के निर्देश दिए। हाथरस तहसील समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसामान्य की शिकायतों को एक-एक कर सुनते हुए जिलाधिकारी ने शिकायत से सम्बंधित विभागीय अधिकारी को मौके पर बुला कर तत्काल निस्तारित करने अथवा भूमि विवाद/अन्य किसी विवाद की स्थिति में शिकायतकर्ता सहित सभी पक्षों की उपस्थिति में मौके का स्थलीय निरीक्षण कर निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य लक्ष्य है, इसमें किसी भी प्रकार लापरवाही पाये जाने व निस्तारण के अभाव में एक ही समस्या को आवेदक द्वारा बार-बार प्रस्तुत किये जाने अथवा सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा ससमय संज्ञान न लेने को गम्भीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। हाथरस तहसील समाधान दिवस में 62 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये तथा 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सि0राऊ तहसील में कुल 79 शिकायतों मे से 02, तहसील सादाबाद में कुल 22 शिकायतों में से 02 शिकायतों तथा सासनी तहसील में कुल 33 शिकायतों में से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील समाधान दिवस की मौके पर परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पूर्ति अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, ए0आर0 कोऑपरेटिव, एसओसी चकबंदी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, उपायुक्त उद्योग, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, खंड विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

यूपी में मौसम का कहर: कानपुर, ललितपुर और जालौन में जमकर ओले और आंधी

यूपी में एक बार फिर मौसम बिगड़ गया है। कानपुर, ललितपुर, जालौन में जमकर ओले गिरे। कानपुर में शनिवार शाम तेज आंधी के साथ बारिश हुई। यहां गोविंद नगर में कई पेड़ उखड़ गए। पेड़ के नीचे दबकर एक कार चकनाचूर हो गई। बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। कानपुर के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया, 5 अप्रैल तक मौसम बिगड़ा रह सकता है। उधर, जालौन की माधौगढ़ तहसील में तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। जमकर ओले भी गिरे। सड़क और खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल बर्बाद हो गई। लखनऊ में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ घंटे में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-बारिश और बादलों के गरज चमक की संभावना है। बूंदाबांदी शुरू भी हो गई है। शुक्रवार देर रात आगरा में ओले गिरे थे। मथुरा और संभल में बारिश हुई। कासगंज में आंधी से पेड़ टूटकर गिर गया। बारिश से बचने के लिए नीचे खड़े भाई-बहन की दबकर मौत हो गई। मथुरा में बारिश से कोसीकलां अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं भीग गया। आगरा में 5 कच्चे घर गिर गए। वहीं, प्रदेश में बिजली गिरने से 48 घंटे में 5 लोगों की मौत हुई है। इनमें वाराणसी में सरकारी टीचर, उनकी पत्नी, चित्रकूट के 2 लोग और ललितपुर का एक व्यक्ति शामिल है।

हाथरस में 'पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान' का आयोजन, कार्यकर्ताओं में जोश

हाथरस आज दिनांक 4 मार्च को सादाबाद विधानसभा क्षेत्र मुरसान राधा गार्डन में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान–2026 श्रीरामवीर सिंह पौनिया जी की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम की मुख्य वक्ता क्षेत्रीय मंत्री श्री मती डौली माहौर रही संयोजक मण्डल अध्यक्ष श्री अरूण चौधरी रहे वर्ग में पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय सहभागिता की इस अवसर पर कार्य क्रम की मुख्य वक्ता डौली माहौर ने कार्य विस्तार की दृष्टि पर चर्चा करते हुए कहा हमारा उद्देश्य केबल सम्पर्क ही नहीं बल्कि समाज की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें राष्ट्र और समग्र विकास की विचार धारा से जोड़ना है एवं संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने, के लिए कार्यकर्ताओं की भूमिका को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया एवं पन्ना प्रमुख से लेकर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से संवाद करना आवश्यक है इस अवसर पर वर्ग में सभी कार्यकर्ता मण्डल पदाधिकारी एवं अन्य कार्यकर्ताओ ने भाग लिया।

हाथरस में आंधी-बारिश व ओलावृष्टि से तबाही, किसानों की फसलें चौपट , जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा रामवीर उपाध्याय ने मुख्यमंत्री से की तत्काल राहत की मांग

जनपद हाथरस में बीते दिनों आई तेज आंधी, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कई गांवों में गेहूं, सरसों, आलू और चना जैसी प्रमुख फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सीमा रामवीर उपाध्याय ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर तत्काल सर्वे, मुआवजा और विशेष राहत पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने पत्र में बताया कि 3 अप्रैल को आई इस आपदा से जनपद के विभिन्न विकास खंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी फसलें गिरकर नष्ट हो गईं, वहीं जिन किसानों ने कटाई कर ली थी, उनकी फसल भी भीगकर खराब हो गई।उन्होंने कहा कि किसानों की महीनों की मेहनत और लागत एक ही दिन में खत्म हो गई, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अधिकांश किसान खेती पर निर्भर हैं, ऐसे में यह आपदा उनके लिए दोहरी मार साबित हो रही है।सीमा उपाध्याय ने सरकार से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर सही नुकसान का आकलन किया जाए और जिन किसानों की फसल नष्ट हुई है, उन्हें शीघ्र मुआवजा दिया जाए। साथ ही पूरी तरह बर्बाद फसल वाले किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज लागू किया जाए तथा फसल बीमा के दावों का जल्द निस्तारण किया जाए।उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, जिससे किसानों को इस प्रकार के नुकसान से राहत मिल सके। प्रशासन से अपेक्षा जताई गई है कि वह इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई करेगा, ताकि प्रभावित किसानों को जल्द राहत मिल सके।इस संबंध में पत्र की प्रतिलिपि कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कृषि, प्रमुख सचिव राजस्व, मंडलायुक्त अलीगढ़, जिलाधिकारी हाथरस सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।